| ন্ট-আ | ञ्च.च.जवाबा वर्गा.चेब.वर्ट.जवाबा बिट.रट.वर्ट.त्र.लुब.तबा |
|-------------|--|
| 哥口 | कुं अं त्यायाया कुंत्र सुद्दान्ये त्याया दाक्ष प्रदेश प्रदेश अवि स्त्रित्य का क्षेत्र सिद्दा स्त्र स्त्र सिद्द |
| ন্তি'আ | ८.लट.। ह.पर्विट.वोर.पर्वे.वोद्या |
| 割り | भेर्या भेर्या भीरा है के। प्रस्तर में प्रस्ता माना प्रमुद्द का कर भीरा |
| ন্তি'আ | अ'लम् प्रत्वेवा'वो'रेप् अ'वे'लेव'गुप्तावा'यपा'यपा'यपा'यवा'या |
| 割り | चन्नर्भायाध्येत् म् अद्रार्थेष् व्याचन्नर्भायाध्येत् । अप्ते विद्यास्य |
| ন্ট'আ | टर्मायटाचर्माक्रमाधेत्। त्रवेत्राष्ट्रमाय्युटर्मायाधेत्। विमार्चावे विमार्चावे । |
| 割り | ण'ण दे'व्य ब्रिट्-र्रट-गुट-सेट-स्रिट्-र्स्-ट्य |
| <i>কু</i> আ | मुन्द्रिन्द्रम् व्यान्त्रम् अर्वे वित्रम् यान्यम् यान्यम्यम् यान्यम् यान्यम् यान्यम् यान्यम् यान्यम्यम्यम् यान्यम्यम्यम् यान्यम्यम्यस्यम्यम्यम् यान्यस्यम्यस्यम्यस्यम् यान्यस्यस्यम्यस्यस्यस्य |
| a '7 | मिन्यान्य स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्य |
| ন্ট'আ | क्रुंच.भुम.धिवोया.भू.५८। निया.क्र्य.प्या.का.क्र्य.। वाचप.मुच.तपु.र्यूप.र्त्या.एपु.र्यूवोया. |
| 割り | अ'लम् धेन'८८'धेन। दे'न्या'न्य'रेट्। अ'ने'याचत'ने'म्य'या'पर्यंचयर्यंधेन। |
| कु वा | यात्रतः ते स्थान्य स्थान्त्र स्थान्य स यात्र स्थान्य स |
| 割り | इन्-र्क्रायाची |
| ন্ট'আ | भुं महुवा दे मुल पर देव र्च केते लें मुका तर् र्च देन वा वा र्च वे हवा तर्व |
| 別り | रेन्रेन्। क्ष्निक्तिन्द्रम् अक्ष्रिक्ष्यक्ष्रिक्षित् देन्द्रम् विष्यक्ष्मिन् |

| <i>7</i> 1 | ग्रन्त ने अ'श्राया प्रमायित्रा प्रायं |
|------------|---|
| , | र्ह्ने ट् यार प्यट त्य ध्रीत रायीता |
| 31 | वाचतः श्वेतः पान्वेतः नवाः श्वेः त्यावायायायायायायायायायायायायायायायायायाय |
| · | हुब.श्रेटी इूंट.झूंट.चिंग.बय.बट.ज.चर्चट.चर्चट.त.लुबी |
| 3 | वाचतः राज्यस्य प्रवेदः प्रवास्त्रप्रे विश्व प्रवास्त्रयः प्रवे प्रवा |
| | यम्बाराधित। भ्रु'अट्व'प्रक्षरापाधित। |
| | ने ने ने दिवास याया विश्व व विश्व विश्व वि |
| | चया भेच दि (ब्रिया विया च च ब्रा च च व्या भेच च |
| 4 | ने ने ने दिवाया वाया वाया वाया वाया वाया वाया वाया |
| | त्रह्मत्रा सेन्। नुषार्क्षन् रचा सार्वाना |
| (3) | वाञ्चतः अह्वाः भःवाः नेःवान्नेः वाज्ञनः भः धित्रा |
| | नेच र्र्मेवा प्याचेता अन्ते स्त्रीम वा चन्न मान्य स्त्रीच प्याची |
| 2) | વિ.યા.તાત્રા.યા.વી.ધીવી.શૂન્.! |
| | ब्राचीया. ब्राचीया. च्या व्यव्यान्त्रा व्यव्यान्त्राच्यात्राचीयाच्या |
| 4 | गुट सेट भ ट्या महीं प्यम् में प्रमुच पा प्रीम् प्रम् |
| | लवायाची जयागाचियामि |
| (1) | रट.ब्रुट.विथ.थ्रेट.तथ |
| | यवाया अन्। नया वार्यान क्षाया वार्या |
| 701 | गुट सेट ह्यें रें हिट सेंट ट्या |
| | श्चित्र्रा, बेर्च व श्चित्र |
| | |

| ब्रिल-द्यारा | <u> </u> |
|---------------------|--|
| <u> ব্ৰথ শূৰ্</u> য | ब्रुंवः नगर व्यवाया नगा वियान ने वियाया ने वियाया ने वियाया वियायायाया वियायायाया वियायायाया वियायायायायायायायायायायायायायायायायायाया |
| क्चिंल'न्गर। | ग'रे'च्रिल'र्सेट' |
| <u> ব্ৰথ শ্ৰুৰ</u> | वि'स'न्वेंन्'न्व'क्ष'र्चेन्'विव'र्नेव र्व्य'क्'र्वेन्' |
| क्रिंथ-८गार। | श्रुट. है। वि.स.वि.सवी.विट.सट. बैट.यज्ञस.त. सुर्थ.तथ। |
| <u> ব্ৰথ শূৰ্</u> য | यो.तर.यो.तर्रा वि.जयो.योट.वैट.अट.वैट.यचया.श्रेटी पद्मय.वियो.पविटया.ता. तुर्या |
| ब्रेंल'न्गर। | धेव वरि रहेव हिया च रायट या रहित्या रा धेव। |
| <u> </u> | यान्याः सेन्यः व्यापन्यः व्यापन्यः व्यापन्यः व्यापन्यः व्यापन्यः व्यापन्यः व्यापन्यः व्यापन्यः व्यापन्यः व्यापन व्यापन्यः सेन्यः व्यापन्यः व्यापन्यः व्यापन्यः व्यापन्यः व्यापन्यः व्यापन्यः व्यापन्यः व्यापन्यः व्यापन्यः व्य |
| ब्रेंल'न्गर। | न्देर्यायाव्या व्यवागायाः व्यवाग्व्यायाः व्यवायाः व्यवायाः व्यवायाः व्यवायाः व्यवायाः व्यवायाः व्यवायाः व्यवाया |
| <u> </u> | ५ अअअअअअ) अँवा-अँवा-वि-त्व-त्व-त्व-त्व-त्व-त्व-त्व-त्व-त्व-त्व |
| ब्रॅल-८गर। | षाः यात्रः त्यत्वा अवाः अवाः अवाः अवाय्यः देः त्याः देः विषाः शुः विषाः अवाः अवाः अवाः विषाः विषाः विषाः विषाः वाः यात्रः व्याः अवाः अवाः अवाः अवाय्यः विषाः विषा वाः येष्ट्रात्यः विषाः अवाः अवाः अवव्याः विषाः विषा |
| <u> </u> | प्रम्यासाधित हे.स्टां अत्विद्यां अती क्षेत्र. ह्यां वटां त्यां क्षेत्र क्षेत्र त्यां क्षेत्र क्षेत |
| ब्रिल-द्यारा | |